भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2843
10 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान और क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र

2843. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी:
श्री जी. एम. हरीश बालयोगी:
श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आंध्र प्रदेश सहित देश में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अन्य केंद्रीय निकायों के अंतर्गत मत्स्य अनुसंधान संस्थानों और क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों की संख्या का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास आंध्र प्रदेश में अतिरिक्त मत्स्य अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान प्रस्तावित स्थान, आवंटित और जारी किए गए बजट का वर्ष-वार ब्यौरा और इस संबंध में निर्धारित समय-सीमा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश सहित देश में जलीय कृषि प्रौद्योगिकी, रोग प्रबंधन, आनुवंशिक सुधार और संवहनीय परिपाटियों पर अध्ययन सहित मछलीपालकों की सहायता के लिए शुरू किए गए नए अनुसंधान कार्यक्रमों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा मछलीपालन, चारा प्रबंधन, स्वास्थ्य निगरानी और जलवायु अनुकूलन तकनीकों में सर्वोत्तम प्रथाओं के संबंध में मछलीपालकों के बीच प्रसार और जागरूकता बढ़ाने के लिए आंध्र प्रदेश सहित राज्य वार क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) क्या सरकार आंध्र प्रदेश में सार्वजनिक-निजी अनुसंधान भागीदारी के लिए राज्य विश्वविद्यालयों और निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करती है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह

(क): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद [इंडियन काउंसिल ऑफ़ एग्रीकल्चरल रिसर्च (ICAR)] से प्राप्त जानकारी के अनुसार, देश भर में आठ संसाधन-विशिष्ट मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान कार्यरत हैं, जिन्हें उनके अनुसंधान स्टेशनों और केंद्रों (तीस अनुसंधान स्टेशन/केंद्र) से सहायता प्राप्त होती है, जो विविध पारिस्थितिक क्षेत्रों (इकोलोजिकल ज़ोन्स) में स्थित हैं (अनुबंध 1)।

(ख): ICAR से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में आंध्र प्रदेश में चार क्षेत्रीय मात्स्यिकी अनुसंधान केंद्र संचालित हैं। इनमें ICAR-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फिशरीज़ एजुकेशन (CIFE) का काकीनाडा क्षेत्रीय केंद्र शामिल है, जो बालाभद्रपुरम में एक फील्ड सेंटर भी संचालित करता है; विजयवाड़ा में ICAR-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फ्रेशवॉटर एक्वाकल्चर (CIFA) का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र; विशाखापट्टनम में ICAR-सेंट्रल मरीन फिशरीज़ रिसर्च इंस्टीट्यूट (CMFRI) का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र; और ICAR-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फिशरीज़ टेक्नोलॉजी (CIFT) का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, जो भी विशाखापट्टनम में स्थित है। ICAR ने यह भी सूचित किया है कि आंध्र प्रदेश राज्य में ICAR के तहत अतिरिक्त केंद्र स्थापित करने के लिए वर्तमान में कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग): ICAR मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थानों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों का विकास किया है जो उत्पादकता, सतत जल उपयोग, वैविध्य प्रजातियों और प्रणाली के उपयोग, कॉस्ट इफेक्टिव फ़ीड, फिश हेल्थ मैनेजमेंट, जेनेटिक सुधार, AMR मिटिगेशन, जिम्मेदारीपूर्ण फिशिंग और मूल्य संवर्धन को सुदृढ़ करती हैं।

आंध्र प्रदेश में, विगत तीन वर्षों में उनका कार्य विशेष रूप से प्रभावशाली रहा है। आनुवंशिक रूप से सुधारी गई ताजे जल की प्रजातियाँ जैसे जयंती रोहू, AhR जयंती रोहू, अमृत कतला, महामगुर और CIFA GI स्कैम्पी किसानों को वितरित की गई हैं। सुपर इंटेंसिव प्रिसिजन श्रिम्प फार्मिंग पर एक प्रमुख पहल ICAR CIBA और NFDB द्वारा श्रीकाकुलम के मूलपोलम में शुरू की गई है, ताकि इसे व्यावसायिक स्तर पर अपनाया जा सके। पंगासियस ब्रीडिंग और बीज उत्पादन तकनीकों को किसानों और उद्यमियों को प्रदर्शित किया गया है, जबकि पूर्वी गोदावरी में स्वदेशी ओर्नामेंटल फिश ब्रीडिंग को प्रदर्शित किया गया है। राज्य ने इंटीग्रेटेड सीवीड-श्रिम्प विंटर क्रॉपिंग को भी आगे बढ़ाया है, विशेष रूप से श्रीकाकुलम में पी. वन्नामेई के साथ ग्रेसिलेरिया सैलिकोर्निया का एक साथ पालन, जिससे वैविध्यता (डाईवरसिफिकेशन) को बढ़ावा मिला है और तटीय आजीविका सुदृढ़ हुई है।

(घ): आंध्र प्रदेश सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य ने जलकृषि को विनियमित करने और गुणवत्तापूर्ण इनपुट सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण अधिनियम बनाए हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश राज्य जलकृषि विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2020 शामिल है। यह PMMSY के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम, ऑन-फील्ड डेमोंस्ट्रेशन, किसान फील्ड स्कूल, एक्सपोशर विज़िट और क्षमता निर्माण की पहल करता है। आंध्र प्रदेश में ICAR क्षेत्रीय केंद्रों, राज्य मात्स्यिकी विभाग, मात्स्यिकी विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्रों (KVK) के माध्यम से कार्यान्वित तकनीकी साहित्य और सलाह के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाती है। ICAR ने यह भी सूचित किया है कि इसके मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान और केंद्र, अन्य सरकारी विभागों/एजेंसियों के साथ मिलकर मात्स्यिकी और जलकृषि के विभिन्न पहलुओं पर आवश्यकता-आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रसार कर रहे हैं। विगत तीन वर्षों में, उन्होंने आंध्र प्रदेश सहित 40,000 से अधिक हितधारकों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और प्रदर्शन प्रदान किए हैं।

(ङ): आंध्र प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि मत्स्यपालन विभाग सार्वजनिक-निजी अनुसंधान साझेदारियों के लिए राज्य विश्वविद्यालयों और निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करता है। नेशनल सर्विलांस प्रोग्राम फॉर एक्वेटिक एनिमल डिज़ीज़ (NSPAAD) और नेशनल रेसिड्यू कंट्रोल प्रोग्राम (NRCP) के साथ मत्स्यपालन विभाग सहयोग करता है ताकि जलीय जीव स्वास्थ्य प्रबंधन, रोग निदान और निर्यात मानकों के अनुपालन को सुदृढ़ किया जा सके। इसके अलावा, स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फिशरीज़ टेक्नोलॉजी (SIFT), काकीनाडा के माध्यम से, यह प्रौद्योगिकी के प्रमाणीकरण, ब्रूडस्टॉक विकास, कौशल वृद्धि और सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाने के लिए ICAR संस्थानों, राज्य मात्स्यिकी विश्वविद्यालय और निजी संस्थाओं के साथ साझेदारी करता है।

अनुबंध 1

मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान और क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के संबंध में 10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी, श्री जी. एम. हरीश बालयोगी, श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2843 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

संस्थान		**प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य**	
		मुख्यालय	**क्षेत्रीय/अनुसंधान केंद्र**
मानित विश्वविद्यालय	1. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन (CIFE), मुंबई	महाराष्ट्र	• मध्य प्रदेश (पोवारखेड़ा) • **आंध्र प्रदेश (काकीनाडा)** • हरियाणा (रोहतक) • पश्चिम बंगाल (कोलकाता) • बिहार (मोतीपुर)
अनुसन्धान संस्थान	2. सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (CMFRI), कोच्चि	केरल	• तमिलनाडु (मंडपम, चेन्नई और तूतीकोरिन) • **आंध्र प्रदेश (विशाखापट्टनम)** • गुजरात (वेरावल) • महाराष्ट्र (मुंबई) • कर्नाटक (कारवार और मैंगलोर) • केरल (कालीकट और विझिंजम) • पश्चिम बंगाल (दीघा)
	3. सेंट्रल इनलैंड फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (CIFRI), कोलकाता	पश्चिम बंगाल	• कर्नाटक (बैंगलोर) • उत्तर प्रदेश (इलाहाबाद) • असम (गुवाहाटी)
	4. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी (CIFT), कोच्चि	केरल	• महाराष्ट्र (मुंबई) • **आंध्र प्रदेश (विशाखापट्टनम)** • गुजरात (वेरावल)
	5. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवाटर एक्वाकल्चर (CIFA), भुवनेश्वर	ओडिशा	• कर्नाटक (बैंगलोर) • पश्चिम बंगाल (राहरा) • **आंध्र प्रदेश (विजयवाड़ा)** • पंजाब (बठिंडा)
	6. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रैकिशवाटर एक्वाकल्चर (CIBA), चेन्नई	तमिलनाडु	• पश्चिम बंगाल (काकद्वीप) • गुजरात (नवसारी)
	7. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ कोल्डवाटर फिशरीज रिसर्च (CICFR), भीमताल	उत्तराखंड	• चंपावत, उत्तराखंड में प्रायोगिक स्टेशन
	8. नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज (NBFGR), लखनऊ	उत्तर प्रदेश	• केरल (कोच्चि)

*****